बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

धोखेबाज याकूब

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: M. Maillot; Lazarus

रूपान्तरकार: M. Kerr; Sarah S; Alastair Paterson

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2021 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

क्या कभी
परमेश्वर आपके
परिवार में किसी
बच्चे को दिया है?
कितना रोमांचक
होता है!

इसहाक और
रिबका दोगुना
खुशहाल हुए होंगे
क्योंकि परमेश्वर
उन्हें जुड़वा बच्चे
देने जा रहा था।

रिबका के पेट के अंदर
दोनों बच्चे संघर्ष
किये। जब वह
प्रार्थना की, तब
परमेश्वर ने
उससे कहा
उसके दोनों बेटे
दो देशों का नेतृत्व
करेंगे - और छोटा पुत्र
अधिक महान होगा।

आमतौर पर
जेठा अधिक
महान था।
अन्तः दोनों
बच्चे पैदा
हुए।

जुड़वाँ एक जैसे नहीं थे। एसाव, बड़ा लड़का, बहुत बालों वाला था और बड़ा होकर एक कुशल शिकारी हुआ। याकूब चिकनी चमड़ी वाला था और घर का काम काज पसंद करता था।

पिता इसहाक, एसाव को बहुत ज्यादा प्यार करता था। पर माँ हमेशा याकूब को ही समर्थन किया।

एक दिन, एसाव भूखा था। वह याकूब को कहा, "मुझे खाना दो" याकूब ने मांग की, "मुझे अपना जन्मसिद्ध अधिकार बेच दो।"

एसाव, परमेश्वर द्वारा ठहराए गए पहिलौंठे के जन्मसिद्ध अधिकार के वादों के बारे में परवाह नहीं किया। वह याकूब के साथ सौदा किया। उनके पिता की मृत्यु के बाद अब याकूब परिवार का मुखिया होगा।

परमेश्वर एक रात इसहाक से बात की। "मैं तुम्हारे पिता इब्राहीम का परमेश्वर हूं। मैं तुम्हारे साथ हूँ। मैं तुम्हारे वंशजों को आशीष दूंगा।"

हालांकि, इसहाक परमेश्वर की उपासना की,पर
उसके बेटे एसाव ने हित्तियों में शादी कर दो
पत्निया कर ली, एक ऐसे लोग जिन्हे
परमेश्वर के बारे में कोई परवाह नहीं
थी।

इसहाक बूढ़ा हो गया। वह
एसाव से कहा, "कृपया मेरे
लिए ताजा मांस ला दो।"
"ताकि मैं तुम्हें अपना आशीष
दे दूँ।" यह विशेष आशीष हर
एक पहिलौठे पुत्र को पिता से
मिलती थी।

एसाव जल्दबाजी कर शिकार करने के लिए बाहर चला गया। लेकिन रिबका, ये सब बातें सुन ली थी। वह चाहती थी कि यह आशीष याकूब को मिले।

रिबका एक योजना बनायी। वह जल्दी से खाना पकायी, जो इसहाक को बहुत पसंद था, वहीं याकूब जल्दी से एसाव के कपड़े पहन लिया तथा हाथ और गर्दन पर जानवरों की बालों वाली खाल को डाल दिया। इसहाक अच्छी तरह से देख नहीं सकता था। शायद इसीलिए वे उसे धोखा दे पाये।

याकूब इसहाक के लिए खाना लाया। "तुम्हारी आवाज याकूब की तरह है," इसहाक ने कहा, "लेकिन तुम्हारे हाथ एसाव की तरह लग रहें है।

खाना खाने के बाद ", इसहाक, उसके सामने घुटना टेककर अपने बेटे को आशीष दिया।

याकूब जैसे ही वहां से प्रस्थान किया, उसके तुरंत बाद एसाव, इसहाक के पास आया। उसने कहा "यह आपका खाना है।" इसहाक को पता चल गया कि उसे धोखा दिया गया है।

"मैं आशीष नहीं बदल सकता," वह रोया। एसाव का दिल घृणा से भर गया। वह याकूब को जान से मारने का फैसला किया।

रिबका एसाव की धमकियों को सुन लिया। उसने याकूब से कहा, "अपने मामा के घर चला जा, वहां तबतक रह जबतक तुम्हारा भाई भूल नहीं जाता कि तुमने उसके साथ क्या किया है।"

इसहाक राजी था कि
याकूब उसकी माँ के
परिवार में से ही अपने
लिए एक पत्नी ढूढ़े।
इसीलिये याकूब घर से
चला गया।

यात्रा की उस रात, याकूब सोने के लिए एक पत्थर को तकिया की भाति रखा।

शायद वह अकेला था इसलिये वह डर भी रहा था। परन्तु वह अकेला नहीं था। परमेश्वर एक अद्भुत सपने द्वारा उससे बातें की।

"मैं तुम्हारे 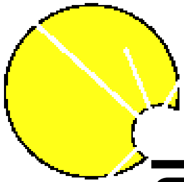 पिता इब्राहीम
और इसहाक का
परमेश्वर हूं। मैं तुम्हारे
साथ हूँ। मैं तुम्हें इस
जमीन को दूंगा। तुम्हारे परिवार के
दवारा पृथ्वी के सभी परिवार आशीषित होंगे।"
जैसे ही परमेश्वर बात करना समाप्त किया,
याकूब नींद से जाग उठा। वह डर गया था।

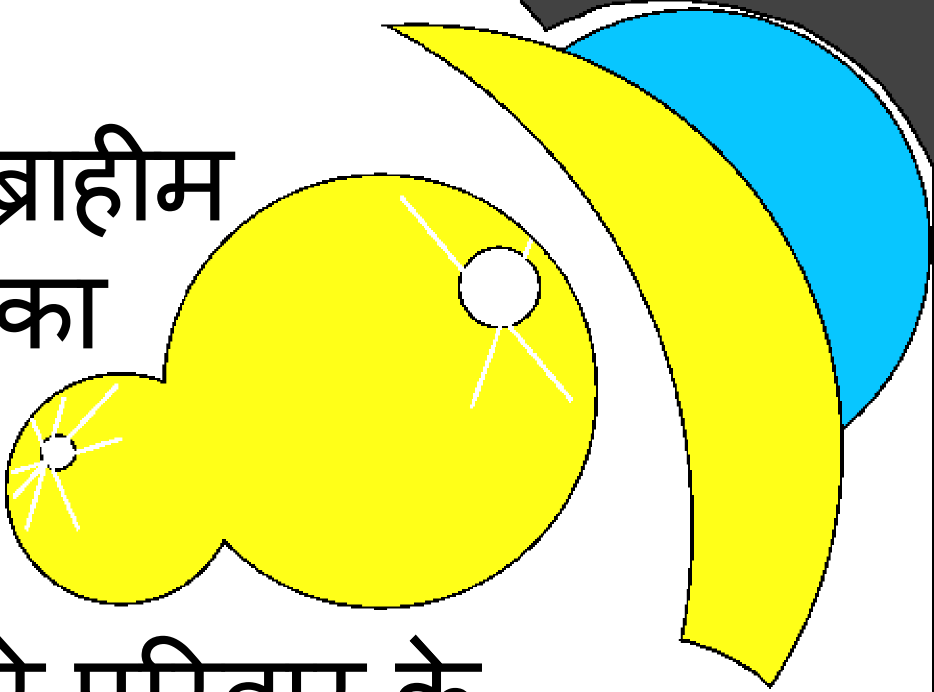

याकूब का मामा लाबान उसका स्वागत किया। याकूब अपने मामा की बेटी राहेल से प्यार करने लगा और उससे शादी करने के लिए सात साल लाबान की सेवा की।

लेकिन, शादी की रात,
लाबान ने याकूब
को धोखा दिया।

"यह राहेल नहीं है, यह तो लिआः है," याकूब ने शिकायत की। "तुमने मुझे धोखा दिया है। सबसे पहले बड़ी बेटी की शादी करनी चाहिए," लाबान ने कहा।

"अब भी तुम राहेल से शादी कर सकते हो परन्तु और सात साल मेरी सेवा करनी पड़ेगी।" याकूब सहमत हो गया। शायद वह याद किया कि इसहाक और एसाव को कैसे खुद उसने धोखा दिया था।

याकूब के ग्यारह बेटे थे। जैसे साल बितते गए वह अपने परिवार को वापस कनान ले जाने के लिए बहुत चाहने लगा। उसके माता पिता वही रहते थे।

लेकिन वहां एसाव भी था जो उसे जान से मारने की कसम खाई थी। क्या यह सुरक्षित था?

एक दिन परमेश्वर उसे लौटने के लिए कहा। याकूब घर वापस जाने के लिए अपने परिवार और झुंड को एकत्रित किया।

क्या ही सुखद यात्रा थी। एसाव चार सौ पुरूष के संग याकूब से मिलने के लिए आया! लेकिन वह याकूब को किसी भी प्रकार से हानि नहीं पहुंचायी।

वह दौड़ कर याकूब के पास गया और उसे प्रेम से गले लगा लिया। याकूब और एसाव फिर से दोस्त बन गए, और याकूब घर में सुरक्षित था।

धोखेबाज याकूब

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

उत्पत्ति 25-33

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16